



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 780]
No. 780]नई दिल्ली, बुधवार, जून 27, 2007/आषाढ़ 6, 1929
NEW DELHI, WEDNESDAY, JUNE 27, 2007/ASADHA 6, 1929

रसायन और उर्वरक मंत्रालय

(राष्ट्रीय औषध मूल्य निर्धारण प्राधिकरण)

आदेश

नई दिल्ली, 27 जून, 2007

का.आ. 1043(अ).—जबकि भारत सरकार के रसायन और उर्वरक मंत्रालय के संकल्प सं. 33/7/97-पी आई-I तारीख 29 अगस्त, 1997 द्वारा राष्ट्रीय औषध मूल्य निर्धारण प्राधिकरण की स्थापना, अन्य बातों के साथ प्रपुंज औषधियों तथा विनिर्मितियों मूल्य निर्धारित करने और उनमें यदि कोई परिवर्तन हैं तो उन्हें अधिसूचित करने, अनियंत्रित औषधों और विनिर्मितियों के मूल्यों को मॉनिटर करने और औषध (मूल्य नियंत्रण) आदेश के प्रावधानों का कार्यान्वयन करने के लिए की गई थी।

2. जबकि रसायन और उर्वरक मंत्रालय ने सं. का.आ. 637(अ) तारीख 4 सितम्बर, 1997 द्वारा औषध (मूल्य नियंत्रण) आदेश, 1995 (डीपीसीओ, 1995) के पैरा 26 के अनुसार मैसर्स रेनबोक्सी लेबोरेट्रीज लिमिटेड द्वारा उत्पादित रोसीसिलीन 250 कैपसूलों के विनिर्मिति पैक के मूल्य में फरवरी 2004 से फरवरी 2005 की अवधि के दौरान 20% से अधिक की वृद्धि हुई। सम्बन्धित कम्पनी को इसके सम्बन्ध में ऐसी मूल्य-वृद्धि के लिए कारण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए थे। कम्पनी से प्राप्त उत्तर की परीक्षा की गई और पाया गया कि सम्बन्धित वर्ष के दौरान उक्त कथित विनिर्मिति पैक के लिए 20% से ज्यादा की मूल्य-वृद्धि अनुचित और लोकहित के विरुद्ध थी क्योंकि यह उपभोक्ताओं पर बिना पर्याप्त औचित्य के अतर्कसंगत भार डालती है।

3. जबकि राष्ट्रीय औषध मूल्य निर्धारण प्राधिकरण नियमित रूप से ओ आर जी - आई एम एस में उपलब्ध मूल्य पर आँकड़ों के आधार पर अनियंत्रित (गैर-अनुसूचित) विनिर्मितियों के मूल्यों का अनुश्रवण करता है और जिसमें कि ओ आर जी - आई एम एस से प्राप्त आँकड़ों से देखा गया है कि मैसर्स रेनबोक्सी लेबोरेट्रीज लिमिटेड द्वारा उत्पादित रोसीसिलीन 250 कैपसूलों के विनिर्मिति पैक के मूल्य में फरवरी 2004 से फरवरी 2005 की अवधि के दौरान 20% से अधिक की वृद्धि हुई। सम्बन्धित कम्पनी को इसके सम्बन्ध में ऐसी मूल्य-वृद्धि के लिए कारण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए थे। कम्पनी से प्राप्त उत्तर की परीक्षा की गई और पाया गया कि सम्बन्धित वर्ष के दौरान उक्त कथित विनिर्मिति पैक के लिए 20% से ज्यादा की मूल्य-वृद्धि अनुचित और लोकहित के विरुद्ध थी क्योंकि यह उपभोक्ताओं पर बिना पर्याप्त औचित्य के अतर्कसंगत भार डालती है।

4. तदुपरान्त राष्ट्रीय औषध मूल्य निर्धारण प्राधिकरण, भारत सरकार के रसायन और उर्वरक मंत्रालय द्वारा जारी किए गए आदेश सं. का.आ. 637(अ) तारीख 4 सितम्बर, 1997 के साथ पठित औषध (कीमत नियंत्रण) आदेश, 1995 के पैरा 10 और 11 के उपर्यूप (ख) के अधीन प्रत्यायोजित शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, नीचे दिए गए ब्यौरों के अनुसार मैसर्स रेनबोक्सी लेबोरेट्रीज लिमिटेड द्वारा उत्पादित निम्नलिखित विनिर्मितियों के पैकों में से प्रत्येक के उत्पाद शुल्क और स्थानीय शुल्क, यदि कोई हो, को छोड़कर अधिकतम खुदरा मूल्य अधिसूचित करती है, जैसा कि निम्न विवरण में दिया गया है—

सारणी

क्र.सं.	विनिर्मिति का नाम	प्रबलता	पैक आकार	अधिकतम खुदरा मूल्य (उत्पाद शुल्क* और स्थानीय कर छोड़कर) (रु.)
1	2	3	4	5
“1.	रोसीसिलीन 250 कैप्सूल	प्रत्येक कैप्सूल में एम्पीसीलिन ट्राईहाइड्रेट आईपी एम्पीसीलिन-250 मिग्रा. के बराबर	8 का पत्ता	36.23”

*उत्पाद शुल्क के वास्तविक भुगतान की शर्त पर

5. उक्त उल्लिखित विनिर्मिति पैक के लिए निर्धारित अधिकतम खुदरा मूल्य, मैसर्स रेनबोक्सी लेबोरेट्रीज लिमिटेड द्वारा डीपीसीओ, 1995 के पैरा 15 के प्रावधानों के अनुसार प्रपत्र V में मूल्य सूची जारी करते हुए इस आदेश की प्राप्ति के 15 दिनों के अन्दर लागू करता होगा।

6. एक या दोनों कम्पनियों का उक्त अनुबद्ध समय के भीतर उपर्युक्त अनुसार निर्धारित अधिकतम खुदरा मूल्य को लागू करने में असफल रहना आवश्यक बस्तुएँ अधिनियम, 1955 के साथ पठित डीपीसीओ, 1995 के प्रावधानों के अधीन किसी और अन्य सभी उपयुक्त कार्यवाहियों के साथ डीपीसीओ, 1995 के पैरा 13 के अधीन अधि-प्रभारित गशि की वसुली के लिए कार्यवाही को आकर्षित करेगा।

7. उक्त कथित विनिर्मिति की विनिर्माता/विपणन कम्पनी के लिए अनिवार्य है कि वह उक्त कथित विनिर्मिति के संघटन में किसी भी बदलाव के लिए एनपीपीए को लिखित पूर्व सूचना के साथ सक्षम प्राधिकारी से आवश्यक पूर्व अनुमोदन प्राप्त करें।

8. उक्त कथित विनिर्मिति की विनिर्माता/विपणन कम्पनी संयुक्त एवं पृथक रूप से इस आदेश एवं इसमें उक्त उल्लिखित शर्तों के अनुपालन के लिए उत्तरदायी होगी।

[फा. सं. 20(177)/2007/डिवी.-IV/एनपीपीए]

पी. के. साह, उप-निदेशक (लागत)

MINISTRY OF CHEMICALS AND FERTILIZERS

(National Pharmaceutical Pricing Authority)

ORDER

New Delhi, the 27th June, 2007

S.O. 1043(E).—Whereas the National Pharmaceutical Pricing Authority was established *vide* the Resolution of the Government of India in the Ministry of Chemicals and Fertilizers No. 33/7/97-Pl-1, dated 29th August, 1997 *inter alia*, to fix prices and notify the changes therein, if any, of bulk drug and formulations, monitor the prices of decontrolled drugs and formulations and oversee the implementation of the provisions of the Drugs (Price Control) Order.

2. Whereas the Ministry of Chemicals and Fertilizers *vide* S.O. 637(E), dated 4th September, 1997 in pursuance of paragraph 26 of the Drugs (Price Control) Order, 1995 (DPCO, 1995) and thereafter delegated the powers in respect of specified paragraphs of the DPCO, 1995 to be exercised by the National Pharmaceutical Pricing Authority on behalf of the Central Government.

3. Whereas the National Pharmaceutical Pricing Authority monitors the prices of decontrolled (non-scheduled) formulations on the basis of data on price available in ORG-IMS on regular basis and wherein, from the data obtained from ORG-IMS it was observed that price of Roscillin 250mg caps formulation pack manufactured by M/s. Ranbaxy Laboratories Ltd. increased by more than 20% during the period from February 2004 to February 2005. The concerned company was therefore directed to furnish the reasons for such price increase in pursuance thereof. The reply from the company was examined and it was observed that the price increase by more than 20% during the relevant year, for the above said formulation pack, was unjustified and against public interest in as much as it puts an unreasonable burden on the consumers without sufficient justification.

4. Now, therefore, in exercise of the powers delegated under sub-para (b) of Paras 10 and 11 of the Drugs (Prices Control) Order, 1995 *vide* No. S.O. 637(E), dated 4th September, 1997 issued by the Government of India in the Ministry of Chemicals and Fertilizers, and thereafter, the National Pharmaceutical Pricing Authority being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby notifies the maximum retail price including excise duty and local taxes, of the following formulation pack manufactured by M/s. Ranbaxy Laboratories Ltd. as per the details herein under:—

TABLE

S.No.	Name of the formulation	Strength/composition	Pack size	Maximum Retail Price (including excise duty* and local taxes) In Rs.
1	2	3	4	5
“1.	Roscillin 250mg caps	Ampicillin Trihydrate IP eq to Ampicillin 250mg	8's	36.23”

* Subject to actual payment of excise duty.

5. The maximum Retail Price fixed for the above mentioned formulation pack shall be implemented by M/s. Ranbaxy Laboratories Ltd. within 15 days from receipt of this order by issuing a price list in form V in accordance with the provisions of paragraph 15 of DPCO, 1995.

6. Failure of the abovesaid company to implement the Maximum Retail Price fixed, as above, within the stipulated aforesaid time shall attract action under Paragraph 13 of DPCO, 1995 for recovery of overcharged amount along with any and all other appropriate action, under the provisions of DPCO, 1995 read with the Essential Commodities Act, 1955.

7. The manufacturer/marketing company for the abovesaid formulation shall be required to take the requisite prior approval from the competent Authority for any change in the composition of the abovesaid formulation with written prior intimation to the National Pharmaceutical Pricing Authority.

8. The manufacturer/marketing company for the abovesaid formulation shall be jointly and severally responsible to comply with this order and conditions mentioned herein above.

[F. No. 20(177)/2007/Div.-IV/NPPA]

P. K. SAHA, Dy. Director (Cost)